मरूधरा की महिलाएं और जल प्रबंधन व्यवस्था

मरूधरा में समुदाय द्वारा जल प्रबंधन व्यवस्था में पुरूषों की छवि सामने आती है। जितने प्रकार की औपचारिक, अनौपचारिक कमेटियां बनी हैं, उनमें महिलाओं की भागीदारी नहीं दिखी।

सार्वजनिक स्रोतों से लेकर घर स्तर तक पानी का प्रबंधन, स्रोतों की सार–संभाल और उनको उपयोगी बनाए रखने की व्यवस्थाओं में समाज द्वारा महिलाओं की भूमिकाएं तय की गयी, जिनके कारण मरूधरा में जल स्वावलंबन संभव बना हुआ है।

जल प्रबंधन की व्यवस्था को आस्था के साथ जोड़ कर बनाई गयी परंपराओं का निर्वाह महिलाएं करती है। अमावश्या, पूर्णिमा, ग्याहरस के दिन व्रत और श्रमदान करती है।

समदरिया हिलोलने की परंपरा में महिलाओं की मुख्य भूमिका है। ज्यैष्ठ, आषाढ़ की तपती गर्मी में तालाब से मिट्टी निकालना, आगौर को साफ करने का काम करती हैं।

चाहे जितना जल संकट हो, मीलों दूर चलना पड़े, घर के पलिंडा कभी खाली नहीं होने देती।

अब पहचान बनाउंगी, जल सहेली समूह में जुडूंगी, जल प्रबंधन व्यवस्था मजबूत करूंगी